1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

वर्ष 41, अंक 42 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 6 अगस्त, 2018 से रविवार 12 अगस्त, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

समस्त देशवासियों को
71वें स्वतन्त्रता दिवस की
हार्दिक
शुभकामनाएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 की तैयारी हेतु

समस्त प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं, दिल्ली एन.सी.आर., दिल्ली आस-पास के आर्यसमाजों, गुरुकुलों, आर्य शिक्षण संस्थाओं, सहयोगी संगठनों एवं महासम्मेलन की कार्य व्यवस्था के लिए गठित

विभिन्न कार्य समितियों की सामूहिक वृहद् बैठक

महासम्मेलन हेतु गठित सभी समितियों के मुख्य अधिकारियों का कराया परिचय

पूरे देश में अपार उत्साह की लहर : आर्यसमाज एक नए रूप में उभरेगा – स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती

उत्तरी दिल्ली क्षेत्र में आर्य महासम्मेलन का होना हमारा सौभाग्य : हर व्यवस्था को पूर्ण करेंगे – आदेश गुप्ता, महापौर

दिल्ली के कार्यकर्ताओं की तैयारी देखकर आत्म विश्वास और मजबूत हुआ – सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान, सार्व. सभा

सभी परिवारों का पूर्ण सहयोग होगा यह अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में – आनन्द कुमार चौहान, एमिटी परिवार

सभी कार्यकर्तागण महासम्मेलन के आयोजन की सफलता तक इस उत्साह बनाए रखें – प्रकाश आर्य, मन्त्री सार्वदेशिक सभा

भारत एवं दिल्ली के कार्यकत्ताओं, अधिकारियों एवं समस्त आर्य समितियों की विशाल बैठक रघुमल आर्य कन्या सी. सै. स्कूल, राजा बाजार, दिल्ली में 5 अगस्त 2018 को महाशय धर्मपाल (चेयरमैन एम.डी.एच. ग्रुप) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। देश की विभिन्न आर्य समाजों से आए पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र से आर्य महासम्मलेन-2018 में भारी संख्या में आने का आश्वासन दिया। उमस और भीषण गर्मी के बावजूद बैठक में उपस्थित कार्यकत्ताओं की संख्या लगभग 450 थी। भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों से आये आर्य प्रतिनिधि सभाओं के अधिकारियों का परिचय कराया गया जैसे श्री राकेश चौहान (जम्मू-कश्मीर), आचार्य अंशुदेव आर्य (छत्तीसगढ़), पं. सत्यवीर शास्त्री, (विदर्भ), श्री हसमुख परमार(गुजरात), श्री कन्हैया लाल व मा. रामपाल (हरियाणा), डॉ. चन्द्रशेखर लोखण्डे (लातूर, महाराष्ट्र), श्री दयाराम बसैये (औरंगाबाद), श्री प्रबोदचन्द्र सूद (हिमाचल प्रदेश), श्री देवेन्द्रपाल वर्मा (उत्तर प्रदेश)। दिल्ली सभा की उपप्रधाना श्रीमती मृदुला चौहान, श्री सुरेन्द्र कुमार रैली वरिष्ठ उपप्रधान, आर्य केन्द्रीय सभा,

महासम्मेलन कार्यसमिति के कार्यकर्ताओं की वृहद् बैठक के अवसर पर मंचस्थ सम्मेलन स्वागताध्यक्ष महाशय धर्मपाल जी, साथ में हैं राष्ट्रीय कवि डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी, सार्वदेशिक सभा के मन्त्री प्रकाश आर्य, सार्वदेशिक सभा के प्रधान सुरेशचन्द्र आर्य, संसद सदस्य स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की संचालिका साध्वी उत्तमा यति, महापौर आदेश गुप्ता, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगानन्द शास्त्री, सभा प्रधान एवं सम्मेलन संयोजक धर्मपाल आर्य, पूर्व परिवहन मन्त्री डॉ. रमाकान्त गोस्वामी जी एवं बैठक में उपस्थित कार्यकर्ता अधिकारी एवं मातृशक्ति।

– शेष पृष्ठ 4 पर

वेद-स्वाध्याय

दिव्य गौएं

न ता नशन्ति न दभाति तस्करो नासामामित्रो व्यथिरा दधर्षति।
देवांश्च याभिर्यजते ददाति च ज्योगित्ताभिः सचते गोपतिः सह।। - अथर्व. 4/21/3
ऋषिः **भरद्वाजो बार्हस्पत्यः।।** देवता - **गावः।।** छन्दः **जगती।।**

शब्दार्थ - यत्रः = **ताः** = वे गौएं **न नशन्ति** = न नष्ट होती हैं, न भाग जाती हैं, **न** = न इन्हें **तस्करः** = चोर **दभाति** = सताता है और न ही **आसाम्** = इनको **अमित्रः व्यथिः** = शत्रुकृत आघात **आ दधर्षति** = पीड़ित करता है। वह **याभिः** = जिन गौओं से **देवान् यजते** = देवों का यजन करता है **ददाति च** = बल्कि देवों को अर्पण कर देता है **ताभिः** = उन गौओं के **सह** = साथ **गोपतिः** = इनका गोस्वाती जीवात्मा **ज्योक् इत्** = चिरकाल तक, सदैव ही **सचते** = संयुक्त रहता है।

विनय- हे गौओंवालो! हे गोपतियो! क्या तुम ऐसी गौओं को भी जानते हो जो न तो कभी भाग खड़ी होती हैं, न जिन्हें चोर उड़ाकर ले-जा सकते हैं और न जिन्हें हमारे शत्रु सता सकते या आघात पहुंचा सकते हैं? ये गौएं 'इन्द्र' की दी हुई हैं, इनसे देवों का यजन होता है और ये अपने गोपति के साथ सदा रहती हैं, कभी बिछुड़ती नहीं। ये गौएं हममें से हर एक को मिली हुई हैं। क्या अब भी समझे कि ये गौएं कौन-सी हैं?

ये हमारी इन्द्रिय-गौएं हैं। इनका गोपति हमारा मन व मनोमय आत्मा है। इस आत्मा के साथ ये सदा जुड़ी रहती हैं। ये तो शक्तिरूप से मोक्ष-सुख की अवस्था में भी आत्मा के साथ रहती हैं, एक शरीर से दूसरे शरीर में तो आत्मा के साथ जाती ही हैं। इनके गोपति से इन्हें कोई छीन नहीं सकता। ये इन्द्र परमेश्वर की दी हुई दिव्य अमर गौएं हैं। प्रभु ने ये गौएं अपने देवों के यजन के लिए ही प्रत्येक जीव को दी हैं, बल्कि इन देवों को दे देने के लिए, अर्पण कर देने, सौंप देने के लिए दी हैं। इन गौओं को हमें शुभ कार्य में लगाने के लिए किये गये पवित्र निक्षेप की वस्तुओं की तरह रखना चाहिए। यदि हम इन चक्षु आदि गौओं से सदा यज्ञिय=पवित्र कर्म ही करेंगे और इन चक्षु आदि को बाह्य आदित्य आदि देवों को समर्पित किये रखेंगे तो जहां ये हमारी स्थूल इन्द्रियां भी सर्वथा स्वस्थ, समुन्नत, अविकृत और शतवर्ष तक अविकल बनी रहेंगी, वहां असली सूक्ष्म इन्द्रियां भी ऐश्वर्ययुक्त बड़ी-बड़ी योग-विभूतियों को ला सकने वाली हो जाएंगी। क्या तुमने प्रभु से मिली हुई अपनी इन दिव्य गौओं की अमूल्य सम्पत्ति को पहचान लिया? तब तुम बाहर की लाखों गौओं के स्वामी बनने की जगह इन दस दिव्य गौओं के स्वामी-सच्चे अर्थों में स्वामी-बनना पसन्द करोगे?

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

आर्य महासम्मेलन जरुरी क्यों?

....कथित बाबा देश में धर्म के नाम पर हमारी प्राचीन वैदिक संस्कृति की गरिमा को तार-तार कर रहे हैं तो दूसरी तरफ इनके कारनामों का फायदा उठाकर विरोधी धर्मांतरण करने में लगे पड़े हैं। युवा बहनें भी इस धार्मिक कुचक्र का शिकार बनाई जा रही हैं। चारों ओर चुनौती है, धर्म से लेकर शिक्षा तक संस्कार से लेकर संस्कृति तक। सामाजिक उन्नति के मूलमंत्रों और सारतत्त्वों का खुलेआम दहन किया जा रहा है। बचाव का कोई सहारा नहीं दिख रहा है इस कारण इस डूबती संस्कृति को बचाने के लिए सिर्फ और सिर्फ आर्य समाज ही एक टापू के रूप में दिखाई दे रहा है।....

यह सर्वविदित है कि 19वीं सदी के इतिहास को जितनी बार भी निचोड़ा जायेगा उतनी बार ही आर्य समाज के समर्पण और बलिदान की धारा बहकर सामने आएगी या ये कहें उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय इतिहास और साहित्य में महत्त्वपूर्ण स्थान रखने वाले, देश और समाज को पुनर्जीवित करने वाले आर्य समाज की गाथा के सामने सभी भारतीय आन्दोलनों की गाथा बोनी नजर आएगी। करीब 143 साल पहले भारत ही नहीं, विश्व क्षितिज पर ज्ञान के जिस आन्दोलन का आविर्भाव हुआ था जिसके कारण भारत ही नहीं मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, बर्मा जैसे देशों में एक सामाजिक, धार्मिक राजनितिक क्रांति का उदय हुआ था। आज की दुनिया उस आन्दोलन को आर्य समाज के नाम से जानती है। भारत को आत्मगौरव और चरित्र निर्माण का संदेश देने वाले इस सामाजिक आन्दोलन की लड़ाई आज भी उसी वेग से जारी है।

आज से 70 साल पहले आर्य समाज के आन्दोलन के कारण देश को पूर्ण स्वतन्त्रता तो मिली किन्तु धर्म को कुरीतियों और विसंगतियों से पूर्ण स्वतन्त्रता अभी तक नहीं मिल पाई। कारण आर्य समाज के सिपाही एक कुरीति, अंधविश्वास को खंडित करते तो धर्म के पाखंडी दूसरी कुरीति और अंधविश्वास खड़ी कर देते थे। अंत में इन विसंगतियों से किस तरह एकजुट होकर लड़ा जाये तो आर्य समाज के पूर्व विद्वानों ने वैचारिक मंथन कर सन् 1927 में आर्य महासम्मेलन का विचार सुझाया था। जिसके उपरांत समय-समय पर आर्य समाज अलग-अलग देशों और स्थानों पर कार्यकर्ताओं को एकत्र कर निरंतर देश और विदेशों में अपनी संस्कृति अपने वैदिक ध र्म का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से आर्य महासम्मेलन आयोजित करता आ रहा है। इसी पावन कार्य को आगे बढ़ाते हुए एक बार फिर सार्वदेशिक सभा और दिल्ली सभा के सामूहिक प्रयास से इस वर्ष 25 से 28 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली में होने जा रहा है।

बात केवल पाखंड और अंधविश्वास तक सीमित रहती तो शायद महासम्मेलन की उतनी आवश्यकता नहीं होती। अंतरंग सभाओं में भी चर्चा कर इससे लड़ने की बात की जा सकती थी लेकिन आज तो चारों ओर अपने धर्म और संस्कृति के विरुद्ध एक षडयंत्र सा रचा जा रहा है। किशोर-शिक्षा के नाम पर एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय चल पड़ा है जो यौन-रोगों को रोकने के नाम पर भारत में ऐसी शिक्षा परोस रहा है मानो बच्चों को यौन-संबंध तो बनाना ही है। बस, जरा 'सुरक्षित' बनाएं। आखिर इस मान्यता का आधार क्या है यही कि किशोर बच्चे यौन-संबंध के बिना नहीं रह सकते? यह स्थिति पश्चिमी संस्कृति में हो सकती है जो ब्रह्मचर्य चेतना से अपरिचित है। हमारे यहाँ तो ऋषि मुनि इन सब बीमारियों से बचने के लिए ब्रह्मचर्य जैसी ठोस मजबूत चेतना से परिचित करा गये हैं।

दूसरा आज हमारे सामने हमारे बौद्धिक जीवन में नया युद्ध खड़ा कर दिया गया है अपनी मूलभूत शिक्षाओं की उपेक्षा करते हुए विदेशी भाषाओँ, वैचारिक फैशनों का अंधानुकरण चल पड़ा है। शिक्षा के पाठ्यक्रमों में विदेशी कहानियाँ विदेशी नायक खड़े किये जा रहे हैं। हमारे महापुरुषों और अनेक मनीषियों को लगभग विस्मृत कर दिया हैं। यहाँ तक कि समाज को दिशा देने वाले साहित्य पर भी आज अश्लीलता ने डेरा जमा लिया है। सूचना क्रांति में अग्रणी भूमिका निभा रहे सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्म पर इन विचारों से भारतीय संस्कृति को हानि पहुंचाई जा रही है।

लड़ाई सिर्फ एक मोर्चे पर नहीं है आज हम अपनी सम्पूर्ण शिक्षा, विमर्श, पाठ्य चर्चा आदि को उलटें तो हमारे एतिहासिक नायकों की कही गयी बातों में एक भी शायद ही कहीं मिले। फिर देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं, टेलीविजन चैनलों की संपूर्ण सामग्री पर ध्यान दें जहाँ ये लिखा जाना चाहिए था कि वैदिक संस्कृति के साथ चलो आज वहां मोटे-मोटे अक्षरों में छापा जाता है कि कंडोम के साथ चलो! यह सब पढ़ने में जितनी शर्म महसूस होती है। अब उतना ही लिखने में भी शर्म महसूस हो रही है लेकिन क्या करें जिस तरह आज ये सब परोसा जा रहा है तो शायद कल कुछ भी बचाने को हमारे पास शेष न रहे।

इस अंधानुकरण मानसिकता से हमारा घोर सांस्कृतिक पतन होता जा रहा है। इसी की परिणति बच्चों समेत सबको खुले व्यभिचार की स्वीकृति देने में हो रही है। सिनेमा, विज्ञापन आदि उद्योग हमारे बच्चों, किशोरों में ब्रह्मचर्य की उलटी गतिविधियों की प्रेरणा जगाते हैं। यह हमारे सबसे अग्रणी पब्लिक स्कूलों की शिक्षा है। महर्षि दयानन्द सरस्वती समेत सभी महापुरुषों की सारी बातें कूड़े में और विकृत भोगवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसीलिए अधिकतर लोग भोग के अलावा नितांत उद्देश्यहीन जीवन जीते हैं। लोगों को सिर्फ उत्तेजक भोजन, उत्तेजक सिनेमा, उत्तेजक विज्ञापन, उत्तेजक संगीत, चित्र, मुहावरे आदि सेवन करने को परोसे जा रहे हैं।

एक ओर कथित बाबा देश में धर्म के नाम पर हमारी प्राचीन वैदिक संस्कृति की गरिमा को तार-तार कर रहे हैं तो दूसरी तरफ इनके कारनामों का फायदा उठाकर विरोधी धर्मांतरण करने में लगे पड़े हैं। युवा बहनें भी इस धार्मिक कुचक्र का शिकार बनाई जा रही हैं। चारों ओर चुनौती है, धर्म से लेकर शिक्षा तक संस्कार से लेकर संस्कृति तक। सामाजिक उन्नति के मूलमंत्रों और सारतत्त्वों का खुलेआम दहन किया जा रहा है। बचाव का कोई सहारा नहीं दिख रहा है। इस कारण इस डूबती संस्कृति को बचाने के लिए सिर्फ और सिर्फ आर्य समाज ही एक टापू के रूप में दिखाई दे रहा है।

देश ज्यों-ज्यों आगे बढ़ रहा है, त्यों-त्यों सामाजिक -समस्या गहरी और व्यापक हो रही है। हमारी उन्नति के मार्ग में ऐसे काफी विघ्न हैं क्योंकि विवादों के बाजार में राजनीति सर चढ़कर बोल रही है। छुट-पुट नेता चुनाव जीतने के लिए धर्म के नाम पर भाषण दे जाते हैं लेकिन कितने लोग मानते हैं कि उन्हें अपनी राजनीति से ज्यादा धर्म से प्यार हो? आज एक आर्य समाज ही है जो स्वदेश के हितार्थ में सदा कमर कसे तैयार रहता हैं जिसकी अपने पूर्वजों महापुरुषों और अपनी वैदिक संस्कृति पर आंतरिक श्रद्धा और भक्ति है किन्तु ये काफी नहीं है हमारी लड़ाई लम्बी है जो सभी आर्यों के सहयोग से पूर्ण हो सकती है। हमारी आध्यात्मिकता और देश ही हमारा जीवनरक्त है। यदि यह साफ बहता रहे तो सब कुछ ठीक है। चाहे देश की निर्धनता ही क्यों न हो, यदि खून शुद्ध है तो संसार में हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा। यदि इस खून में ही व्याधि उत्पन हो गयी तो क्या होगा! यह आप स्वयं अनुमान लगा सकते है। इन सब विसंगतियों, कुप्रथाओं, अंधविश्वासों से हो रही सांस्कृतिक हानि से किस प्रकार बचना है कैसे इस देश को पुनः राम और कृष्ण के विचारों की भूमि बनाना है। किस प्रकार महर्षि देव दयानन्द जी के सपनों को पूरा करना है। यही सब विचार करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आशा है आप सभी लोग देश-विदेश के जिस भी कोने में होंगे इस महासम्मेलन में हिस्सा बनकर अपने पूर्ण सहयोग से देश और समाज हित के इस महाकार्य में अपनी वैचारिक आहुति जरूर देंगे तथा अन्य लोगों को प्रेरित भी करेंगे।

- सम्पादकीय

पवित्रता के नाम पर यह कैसा पाप

....इस घुटन को निकालते हुए कुछ समय पहले एक नन सिस्टर जेस्मी की आत्मकथा बाजार में आई थी। ''आमीन एक नन की आत्मकथा'' यह उनके अपने जीवन के अनुभवों की कथा थी। यह एक भयावह अनुभव है बल्कि इतना भयावह अनुभव कि पढ़कर चर्च और पादरियों से चिढ़ हो जाए।....

साल 2014 और महीना था फरवरी का भारत के उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा था कि प्रदेश के देवनगर जिले के एक मंदिर में महिलाओं को जबरन 'देवदासी' बनने से रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जायें। उच्चतम न्यायालय में दायर इस याचिका में देवदासी प्रथा को राष्ट्रीय शर्म का विषय बताया था। उस समय अनेक बुद्धिजीवी लोग मैदान में आये थे और कागज पर कलम की खुदाली से हिन्दू धर्म में व्याप्त अनेक कुप्रथाओं को खोद-खोदकर सामने रख धर्म पर सवाल उठाये थे।

शायद उत्तर भारत में रहने वाले बहुत सारे लोग इस प्रथा से अनभिज्ञ हों तो उन्हें जानना चाहिए कि छठी, सातवीं शताब्दी में दक्षिण भारतीय मंदिरों में आरम्भ हुई इस प्रथा में मंदिर के देवताओं से कुंवारी लड़कियों की शादी कर दी जाती थी। इसके बाद वह अपना पूरा जीवन कथित तौर पर ईश्वर को समर्पित कर देती थी। हालाँकि यह कोई सनातन धर्म का हिस्सा नहीं था, न हमारे वेदों और या उपनिषदों में इस प्रथा का जिक्र। इसलिए 19 सदी के पुनर्जागरण काल में इस प्रथा पर आवाज उठने लगी थी जिसे बाद में कानून द्वारा अपराध की श्रेणी में लाया गया था। अगर यह प्रथा आज भी कहीं किसी कोने में जारी है, तो इसकी मुख्य वजह इस कार्य में लगी महिलाओं की स्वयं सामाजिक स्वीकार्यता है।

दरअसल ये हिन्दू समाज की जागृत चेतना के असर का परिणाम था कि धर्म के नाम पर या प्राचीनता के नाम पर हम कुप्रथाओं को नहीं ढो सकते। लेकिन इस कुप्रथा का एक दूसरा रूप ईसाई समाज में अभी तक जारी है। ईसाई समाज में स्त्रियाँ भी अपना जीवन धर्म के नाम कर देती हैं और आजीवन कुँवारी रहती हैं। इन्हें ''नन'' कहा जाता है। जब यह नन बनने की शपथ लेतीं हैं तो एक औपचारिक समारोह में विवाह के वस्त्र धारण किए इनका ''ईसा मसीह से विवाह'' रचाया जाता है। किन्तु इस प्रथा के खिलाफ आजतक किसी सामाजिक संगठन ने याचिका दायर करने की हिम्मत नहीं जुटाई और न उच्च न्यायालय द्वारा कोई निर्देश जारी किया गया क्योंकि मामला वेटिकन से जुड़ा है। वेटिकन के प्रतिनिधि बिशप चर्च के अधिनायकवाद के खिलाफ भला कौन बोल सकता है? जबकि अनेक नन चर्च के इस सिस्टम के अंदर दिन-रात घुट रही हैं।

इस घुटन को निकालते हुए कुछ समय पहले एक नन सिस्टर जेस्मी की आत्मकथा बाजार में आई थी। ''आमीन एक नन की आत्मकथा'' यह उनके अपने जीवन के अनुभवों की कथा थी। यह एक भयावह अनुभव है बल्कि इतना भयावह अनुभव कि पढ़कर चर्च और पादरियों से चिढ़ हो जाए। अपने काल्पनिक पति जीसस के प्रति पूर्णत: समर्पित, सत्रह साल की उम्र में कॉन्वेंट में दाखिल होने वाली और लम्बे समय तक नन बनी रहने वाली सिस्टर जेस्मी ने जब खुली आँखों से अपने धर्म की बुराइयों को देखा तब उन्होंने कॉन्वेंट की चहारदीवारी तोड़कर बाहर निकलने का दुस्साहसिक फैसला ले लिया। वह मीडिया के सामने आई और चर्च की खामियों पर खुलकर बोलीं, धवल वस्त्रों से सुसज्जित पवित्र माने जाने वाले पादरियों के वासना के उदाहरण पेश किये तो ननों के समलैंगिक आचरण के बारे में खुलकर लिखा। उनका यह फैसला कहीं से भी क्षणिक आवेश का नतीजा नहीं था। लम्बे समय तक वह इसमें बनी रहीं और इस शोषण को झेलती रही।

प्रभु जीसज को पति मानकर ईसाइयत के रास्ते स्वेच्छा से जाने वाली नन जेस्मी की आत्मकथा कैथोलिक धर्मसंघों के लिए एक भूचाल बन कर आयी थी, कहा जाता है आस्था का संस्था से संघर्ष पुराना है। जेस्मी का संघर्ष भी कुछ ऐसा ही है। कभी जीसज में पूरी आस्था डूबी जेस्मी जब परिवार की अनिच्छा, रिश्तेदारों के विरोध के बावजूद जब वह नन बनीं, जीजस को पति स्वीकारा, आजीवन ब्रह्मचर्य की शपथ ली किन्तु उसने सपने में भी नहीं सोचा था कि उसका शोषण होगा और एक दिन भागकर अपने इसी भगवान से तलाक लेना पड़ेगा। लम्बे समय तक समलैंगिक शोषण की शिकार रही, एक भ्रष्ट पादरी द्वारा उसका यौन-शोषण हुआ जिसके बाद पवित्रता के नाम पर चर्चों के अन्दर हो रहे पाप सिस्टर जेस्मी ने उजागर किये।

असल में ईसाई समाज की धार्मिकता और शुचिता के इस्पाती पर्दों के पीछे छिपे कड़वे सच को सामने लानी वाली जेस्मी ही नहीं है बल्कि इसी दौरान केरल की एक पूर्व नन मैरी चांडी ने अपनी आत्मकथा के जरिए कैथोलिक चर्चों में पादरियों द्वारा ननों के यौन शोषण पर से पर्दा हटाकर सच को बयाँ किया था। अपनी आत्मकथा 'ननमा निरंजवले स्वस्ति' में सिस्टर मैरी चांडी ने लिखा है कि एक पादरी द्वारा रेप की कोशिश का विरोध किए जाने के कारण ही उन्हें 12 साल पहले चर्च छोड़ना पड़ा था चर्च और उसके एजुकेशनल सेंटरों में व्याप्त 'अंधेरे' को उजागर करने की कोशिश करने वाली सिस्टर मैरी ने लिखा कि चर्च के भीतर की जिंदगी आध्यात्मिकता के बजाय वासना से भरी थी। मैं 13 साल की आयु में घर से भागकर नन बनी बदले में मुझे शोषण और अकेलापन मिला। मैरी ने आगे लिखा है, 'मुझे तो यही लगा कि पादरी और नन, दोनों ही मानवता की सेवा के अपने संकल्प से भटककर शारीरिक जरूरतों की पूर्ति में लग गए हैं। इन अनुभवों से आजिज आकर चर्च और कॉन्वेंट छोड़ दिया। लेकिन मैरी के चर्च छोड़ने और इस सच्चाई को सामने रखने के बावजूद भी चर्चों में लगातार हो रहे इन घृणित कार्यों पर कोई लगाम न लग सकी।

एक के बाद एक नन के खुलासे के बाद भी पवित्रता के नाम पर यह कुप्रथा आज भी ढोई जा रही है। आखिर क्यों एक नन शादीशुदा नहीं हो सकती? दुनिया भर में फैली कुरूतियों पर शोर मचाने वाले ईसाई संगठन इस बात पर कब राजी होंगे कि एक महिला नन इन्सान है और उसका विवाह किसी मूर्ति के बजाय इन्सान से ही किया जाये? सब मानते हैं कि धर्म अपने मूल स्वरूप में कोई बुरी चीज नहीं है। विरोध वहाँ शुरू हो जाता है जहाँ धर्म की गलत व्याख्याओं के बल पर कोई किसी का शोषण करने लग जाता है और धार्मिक पाखण्डों, धर्म की बुराइयों, और आडंबरों के खिलाफ लिखने वाले कलमकार आखिर ऐसे मामलों पर हमेशा मौन क्यों हो जाते हैं?

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

राजगुरु गम्भीरतापूर्वक बोले, ''गाड़ी आने में देर थी। मुझे नींद आने लगी। स्टेशन के बाहर तमाम इमली के पेड़ हैं। उन्हीं के नीचे बहुत-से भिखारियों का झुण्ड था। कम्बल तानकर मैं भी उन्हीं के पास लेट गया और मुझे नींद आ गई। मुझे सोता छोड़कर चले कैसे आए? जगाया क्यों नहीं?''

सन् 1974 में हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की कार्यकर्त्री श्रीमती सुशीला आज़ाद बम्बई से गोरखपुर आई थीं मुझसे भेंट करने। शहीदेआज़म चन्द्रशेखर आज़ाद की शहादत के सिलसिले में उन्हें कुछ विशेष जानकारी हासिल करनी थी। अपने आवासकाल के तीनों दिन वे अतीत की स्मृतियों में डूबी रहीं। तभी अचानक राजगुरु की चर्चा छिड़ गई और उनके सम्बन्ध में एक दिल दहकाने वाली घटना बयान करने लगीं:

क्रांतिकारियों ने आगरा शहर में एक अदद मकान किराये पर ले रखा था। समय-समय पर वहीं उनकी गुप्त सभाएं होती थीं। दल के सदस्य विचार-विमर्श करते थे। सन् 1928 की बात है। एक दिन भैया (चन्द्रशेखर आज़ाद) साथियों को 'पुलिस टार्चर' पर विस्तारपूर्वक समझा रहे थे कि गिरफ़्त में आए क्रान्तिकारियों पर सी.आई. डी और पुलिस वाले कैसे-कैसे जुल्म ढाते हैं। यातनाएं इस क़दर देते हैं कि बड़े से बड़ा सहनशील व्यक्ति भी सब कुछ उगलकर रख दे। अत: एक स्वाभिमानी क्रान्तिकारी के लिए यही श्रेयस्कर है कि वह किसी भी हालत में पुलिस के चंगुल में न फंसे। फिर भी यदि बचाव का कोई अन्य रास्ता नज़र न आये तो दुश्मन के साथ डटकर मोर्चा लेते-लेते अपने प्राणों की आहुति तो दे ही सकता है।

दल का एक नियम यह भी था कि सभी सदस्य बारी-बारी से घरेलू काम-काज निबटाते रहते थे। उस दिन खाना बनाने की बारी राजगुरु की थी। वे रसोई घर में बैठे रोटियां भी सेंकते जाते और बड़े ध्यान से कान लगाये आज़ाद भैया की बातें भी सुनते जाते थे। इस बात का उन पर बेहद प्रभाव पड़ा। अचानक उन्हें ऐसा आभास हुआ जैसे उनका भी आत्मविश्वास डिगने लगा हो। उन्होंने तुरन्त अपनी परीक्षा लेने की ठानी और धधकते हुए चूल्हे में संडासी डाल दी। जब वह अंगारों के बीच पड़ी-पड़ी सुर्ख हो गयी, तो फ़ौरन उठाकर अपने सीने से चिपका ली। खाल जलने लगी। इसी प्रकार उन्होंने अपना सारा सीना धधकती हुई संडासी से सात बार छेद डाला और मुंह से उफ़् तक न की।

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार : क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

एक रुपीय यज्ञ हेतु दिल्ली में अनेक स्थानों पर यज्ञ प्रशिक्षण : विश्व रिकार्ड की तैयारी

आप आर्यसमाज के अधिकाधिक सदस्यों के साथ भाग लें : प्रशिक्षण/जानकारी हेतु श्री सतीश चड्डा जी 9540041414 से सम्पर्क करें

दयानन्द मॉडल स्कूल (विवेक विहार), आर्यसमाज ग्रेटर कैलाश पार्ट-1, दयानन्द आदर्श विद्यालय (तिलक नगर), एस.एम. आर्य पब्लिक स्कूल (पंजाबी बाग), एवं रतनदेव आर्य कन्या सी. सै. स्कूल (कृष्ण नगर) में यज्ञ प्रशिक्षण शिविरों का हुआ आयोजन

महासम्मेलन हेतु स्वामी रामदेव जी से विशेष चर्चा एवं आचार्य बालकृष्ण जी को आमन्त्रण

दिल्ली में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी के चलते सार्वदेशिक सभा की ओर से पतंजलि योग पीठ हरिद्वार में स्वामी रामदेव जी से भेंट की की और सम्मेलन के सम्बन्ध विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी ने आचार्य बालकृष्ण जी को महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु निमंत्रण दिया। आचार्य बालकृष्ण जी ने सम्मेलन के प्रति अति उत्साह व्यक्त किया तथा अपनी ओर से हर सम्भव सहयोग का आश्वासन देते हुए सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, मन्त्री श्री प्रकाश आर्य जी, दिल्ली सभा महामंत्री श्री विनय आर्य जी, अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर जी एवं आर्य समाज न्यू मुल्तान नगर के प्रधान श्री राजकुमार आर्य जी ने आचार्य बाल कृष्ण जी को ओम चित्र भेंट करके सम्मानित भी किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

श्री प्रेम अरोड़ा, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री सुरेशचन्द्र अग्रवाल, मंत्री श्री प्रकाश आर्य, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य मंच की शोभा बढ़ा रहे थे तथा सभी ने आर्य महासम्मेलन 2018 में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के लिए आर्य प्रतिनिधियों का आह्वान किया। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा महामंत्री श्री विनय आर्य ने महासम्मेलन की कार्य कुशलता के तहत बनाई सभी व्यवस्था समितियों, का हवाला देते हुए कहा कि ये सब समितियां बहुत ही बहुउपयोगी व महत्त्वपूर्ण हैं चाहे वे छोटी हैं या बड़ी। सभी समितियों के अध्यक्ष एवं संयोजकों व उनके कार्यकर्त्ताओं का परिचय कराते हुए व्यवस्था समितियों की विस्तृत जानकारी दी। महासम्मेलन में होने वाले विशाल एक रूप यज्ञ की हो रही तैयारियों से भी आर्य प्रतिनिधियों को अवगत कराया।

सार्वदेशिक सभा प्रधान श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल जी ने समस्त आर्य प्रतिनिधियों एवं मातृशक्ति को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश व समाज में फैल रहे पाखण्ड और अन्धविश्वास को यदि मिटाना है तो हमें एक जुट होना होगा। जब तक हम संगठित नहीं होंगे तब तक देश व समाज में कोई परिवर्तन नहीं जा सकते। आजकल जिस प्रकार देश में ढोंगी बाबाओं ने अपना माया जाल बिछा रखा है यदि इसका खात्मा जल्द से जल्द नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसके परिणाम बहुत ही घातक हो सकते हैं। दिल्ली सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य ने कहा कि 'यह महासम्मेलन सिर्फ सार्वदेशिक सभा या दिल्ली सभा का सम्मेलन नहीं है बल्कि ये सम्मेलन आर्य संगठन की शक्ति का परिचय देने का समय है।' महासम्मेलन के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचलित मोबाईल कॉलर ट्यून 'विश्वमार्यम् का जय घोष करें आर्य महासम्मेलन....' के गीत के रचयिता श्री सारस्वत मोहन मनीषी जी ने अपनी कविताओं के माध्यम से अपने उद्गार व्यक्त किये।

दलित समाज हिन्दुओं का अभिन्न अंग है, उन्हें विभाजित नहीं किया जा सकता। आर्य समाज व सनातन धर्म सभा ऐसे षडयन्त्रों के विरुद्ध जन जागरण अभियान चलाया जायेगा। सामाजिक कुरीतियां निवारण में आर्य समाज अपने जन्मकाल से समर्पित रहा है। स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली सभा के संयुक्त तत्वावधान में 25 से 28 अक्टूबर तक स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारी हेतु हुई इस विशाल बैठ में कहे। उत्तरी दिल्ली के महापौर आदेश गुप्ता ने कहा देश की आजादी में आर्य समाज के नेताओं की सशक्त भूमिका रही, बुद्धिजीवी आर्य नेतृत्व हेतु दोबारा सामाजिक चेतना के लिए आगे आयें, इस महासम्मेलन की व्यवस्थाओं हेतु जो भी कार्य होंगे उनको मैं हर सम्भव नगर निगम की ओर से सहायता प्रदान की जाएगी।

दिल्ली विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री और पूर्व मंत्री रमाकान्त गोस्वामी, एमेटी विश्वविद्यालय के डॉ. आनंद चौहान, स्वामी उत्तमायति ने विश्व की आर्यसमाजों के इस महाकुम्भ को हर तरह से सफल बनाने का आह्वान किया। इस बैठक में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के सभी अधिकारी आर्य केन्द्रीय सभा के सभी अधिकारी, सभी वेद प्रचार मण्डलों के अधिकारी, प्रान्तीय व अन्य महिला वेद प्रचार मण्डलों के अधिकारी, दिल्ली के गुरुकुलों व आर्य विद्या परिषद से सम्बन्धित सभी अधिकारी बहुत ही उत्साह व उमंग के साथ उपस्थित हुए तथा हाथ खड़े करके व जय घोष के साथ आश्वस्त किया कि होने वाले आर्य महासम्मेलन-2018 को हर सम्भव सफल बनाने का प्रयास करेंगे ये दिल्ली के सभी आर्यजनों की इज्जत का सवाल है।

- सतीश चड्डा, महामन्त्री,आ.के. स.

ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल करोल बाग क्षेत्र में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। प्रत्येक होटल के एक कमरे में दो व्यक्तियों के ठहरने की व्यवस्था है अटैच बाथरूम। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

सामान्य होटल : 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

2 स्टार ओयो रुम : 2500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों क लिए

3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) : 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियो के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिए आपको स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

कमरे पूर्णत: वातानुकूलित और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम,पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें। - ***संयोजक, आवास समिति***

आवास व्यवस्था हेतु कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अत: अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर अवश्य साथ लाएं।

2. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अत: यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।

- ***संयोजक, आवास समिति***

प्रचार एवं तैयारियों के लिए प्रान्तीय स्तर पर आयोजित आगामी बैठकें

आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार के कार्यकर्ताओं की बैठक

12 अगस्त, 2018 प्रात: 10 बजे
स्वामी मुनीश्वरानन्द भवन, नया टोला पटना (बिहार)

निवेदक : संजीव चौरसिया प्रधान, डॉ. व्यासनन्दन शास्त्री मन्त्री, सत्यदेव प्रसाद कोषाध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सर्विसिज IAS परीक्षा - 2019

भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी ध्यान दें

आर्यसमाज के शिक्षण संस्थानों/गुरुकुलों/सेवाकेन्द्रों/बालवाड़ियों, डी.ए.वी. संस्थानों/ विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त ऐसे प्रतिभावान छात्र/छात्राएं जो वर्ष 2019 में आयोजित होने वाली सिविल सर्विसिज एग्जामिनेशन में भाग लेना चाहते हैं, अर्थित एवं मूलभूत आवश्यकताओ के अभाव के कारणों से परीक्षा तैयारियां नहीं कर पा रहे हैं उन सबके लिए आर्यसमाज की ओर से स्वर्णिम अवसर।

आर्य प्रतिभा विकास संस्थान की ओर से राष्ट्रवादी विचारधारा वाले, आर्य शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त सुयोग्य पात्रों को आर्थिक सहयोग एवं परीक्षा तैयारियों के लिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की जाती है।

योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक महानुभावों को एक लिखित/मौखिक एवं बौद्धिक परीक्षा पास करनी होगी। सफल परीक्षार्थियों में से प्रथम 40 अभ्यर्थियों को दिल्ली में आमन्त्रित करके, भोजन, आवास एवं तत्सम्बन्धी समस्त सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जाएंगी तथा प्रशिक्षण की तैयारियां कराई जाएंगी। इस योजना का लाभ उठाने के इच्छुक विद्यार्थी/परीक्षार्थी अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों, वित्तीय स्थिति के विवरण तथा आवश्यक कागजातों की प्रति के साथ अपना आवेदन पत्र संस्थान की ईमेल आई.डी. dss.pratibha@gmail.com पर ईमेल करें। अधिक जानकारी के लिए मो. 9540002856 पर सम्पर्क करें। - ***व्यवस्थापक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

तद्नुसार कार्तिक कृष्ण १, २, ३, ४ विक्रमी २०७५

स्थान : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली

दिल खोलकर सहयोग करें

अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। सम्पूर्ण विश्व से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचने की आशा है। इसे देखते हुए सम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा-महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

- ***संयोजक***

कॉलर ट्यून से करें महासम्मेलन का आह्वान

'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें'

आर्यमहासम्मेलन गीत 'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें' को अपने मोबाइल की कॉलर/रिंग टोन बनाएं। अपने मोबाईल में सम्मेलन गीत की ट्यून सैट करने हेतु दिए गए कोड को मैसेज करें अथवा निम्न लिंक पर क्लिक करें-

http://mobilemanoranjan.com/Hindi/Album/Arya-Udghosh

airtel	Airtel	DIAL 5432116538214	Idea	Idea	DIAL 5678910497215
RELIANCE	Set Tune	SMS CT 10497215 to 51234	BSNL East & South	BSNL E & S	SMS BT 10497215 to 56700
BSNL North & West	BSNL N & W	SMS BT 7104896 to 56700	AIRCEL	Aircel	SMS DT 7104896 to 53000
vodafone	Vodafone	SMS CT 10497215 to 56789	MTNL	MTNL	SMS PT 10497215 to 56789
TATA	TATA	SMS CT 10497215 to 543211			

आर्य महासम्मेलन की कॉलर ट्यन को सीधे किसी भी सर्च इंजन में bit.ly/2t7kRqr टाइप करके डाउनलोड भी किया जा सकता है।

सम्मेलन गीत को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए डायल करें - आईडिया : 9891871921 या वोडाफोन: 8929747971 और गीत सुनाई देने पर ★ दबाए तथा आए हुए मैसेज पर रिप्लाई करें। ट्यून आपके मोबाईल में सैट हो जाएगी। नियमानुसार अपेक्षित शुल्क देय होंगे।

सहयोगी युवा कार्यकर्ताओं का स्वागत है

इस बार के आर्य महासम्मेलन का एक उद्देश्य आर्य समाज में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने को लेकर भी है। जो युवा इस महासम्मेलन में अपना सहयोग देना चाहते हैं, उनको हम सादर आमन्त्रित करते हैं। इतने विशाल सम्मेलन की व्यवस्था को सुव्यस्थित बनाए रखना युवाओं के बिना सम्भव नहीं है। अत: जो युवा आर्य कार्यकर्तागण सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने के इच्छुक हों और 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक सेवा देना चाहते हों वे अपनी आर्यसमाज/प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के माध्यम से अपने नाम, पता एवं मोबाइल नं. सहित सम्पूर्ण विवरण **'संयोजक'** के नाम सम्मेलन कार्यालय : आर्यसमाज, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के पते पर भिजवाने का कष्ट करें।- ***संयोजक***

Veda Prarthana - II
Regveda - 16

May We Have A Very Long Healthy Life

- Acharya Gyaneshwarya

त्र्यायुषं जमदग्ने कश्यपश्य त्र्यायुषम्।
यद्देवेषु त्र्यायुषं तन्नोऽस्तु त्र्यायुषम्।।
- यजुर्वेद 3/62

Tryayusham jamadagne
kashyapashya tryayusham.
Yat deveshu tryayusham
tannoastu tryayusham.
(Yajur Veda3/62)

Most human beings have as innate natural desire to live long. Nobody wants to die early. Many persons are willing to spend most of their wealth to live longer. Nevertheless, death comes to everybody. Modern scientists are attempting to find all kinds of drugs and other methods to prolong life. One question often asked what the longest life span of human beings is. Generally, it is believed that most human beings can live up to 100 years and a few beyond that. Is the life span of human beings fixed and immutable or can it be modified? The Vedic principle is that the life span of a human being is not fixed but it can be increased or decreased based on our current deeds, which promote or do not promote health and life.

In this Veda mantra there is a prayer to God for long life. Dear God! With Your grace may I live to be 300 years old (three times the usual life span of 100 years). Moreover, my body, mind, sense and action organs and other body parts may all function well during my life. Whereby as I live to be 300 years, may I be able to see and hear well, move around independently, and my mind be able to think and reason properly. This would only be possible if one is able to maintain one's prana well i.e. breathing (lungs), circulatory (heart), and digestive abilities as well as neural energy. A seriously ill and weak person with reduced prana may have intact eyes and ears but still cannot properly see or hear respectively. The person with diminished prana may have intact legs but cannot walk; he/she may have intact arms and hands but cannot hold hand; have intact belly but is not hungry; have intact brain but cannot remember things, think properly or make reasonable deeisions. This mantra's prayer then is that may I not only have anatomically intact body parts but also they have enough prana i.e. physiological ability and energy to function well. To achieve these goals successfully and have a long life, one needs to follow many healthy recommendations described in the next sentence. These include virtuous thought sand conduct in life; health promoting satwik vegetarian foods; adequate sleep; meditation to God and reading Vedic scriptures; satsang i.e. company of truth and virtue seeking other people; helping and donating to others financially, verbally or physically; hard work and staying alert for slips in one's character or deeds; being calm, peaceful and with a happy attitude; and practicing brahma charya (the word brahmacharya literally means all conduct in life that promotes a feling of being close to God, the emphasis in the Vedic scriptures has always been on being chaste in thoughts, words and actions).

A conduct in life opposite to what has been described above, on the other hand leads a shortened life span. These wrongful actions include helter-skelter daily activities, greasy fried non-vegetarian foods that promote laziness or excitement, inadequate sleep, carelessness or callousness, greed selfishness, jealousy, lying, deception, stealing, infatuations, lust, cruelty and other vices. For example a motor vehicle usually has one or three year guarantee but if one is a careful driver and takes good care of the car he/she can make the car running well for 4-6, 8-10 or even 15-20 years. On the other hand, a careless driver, who drives badly and does not take proper care of the car can damage or destroy it in a few months and occasionally even in a few days. The same principle applies to our physical body and its various parts.

To Be Continue....

आर्य समाज ने स्कूल किट वितरित किए

आर्य समाज जिला सभा कोटा ने सेवा कार्यो के तहत विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने वहां उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधिति करते हुए कहा कि गांव के इस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर अपने गांव के विकास में योगदान देकर अपने क्षेत्र को सम्पन्न बनाएं। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों को अधिक से अधिक शिक्षा प्रदान करवाएं। विद्यालय पहुंचने पर स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष सत्य नारायण ने अतिथियों को माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों ने राष्ट्रभक्ति के गीत सुनाए व विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती कनकलता सोनी ने आर्य समाज का आभार व्यक्त किया।

प्रेरक प्रसंग

पौराणिक कमी पूरी कर दते हैं

पौराणिक भाई कभी आगा-पीछा नहीं देखते। हित-अहित सोचे बिना वे अपने हितैषी, मनुजता के मान ऋषिवर दयानन्द व उनके शिष्यों को जली-कटी सुनाना ही अपना कर्त्तव्य समझते हैं। बात कुछ पुरानी हो गई। पौराणिकों ने एक पुस्तक में आपत्ति की कि आर्यसमाजी ईसाई, मुसलमान व दलितवर्ग को वैदिक धर्म में प्रविष्ट करके उनको आर्य बनाते हैं तो उनकी लड़कियाँ तो ले लेते हैं, अपनी लड़कियाँ उन्हें नहीं देते।

पण्डित श्री मनसारामजी वैदिक तोप ने इस आक्षेप के उत्तर में लिखा-यह निराधार है। ऐसे अनेक उदाहरण दिये जा सकते हैं कि आर्यों ने जन्ममूलक भेदभाव को हटाकर परस्पर सम्बन्ध जोड़े हैं, परन्तु यदि यह मान भी लिया जाए कि इसमें हमारी कोई कमी है तो हमारी इस कमी को पौराणिक मतावलम्बी पूरा कर देते हैं। माँगने पर इसकी लम्बी सूची दी जा सकती है। पण्डितजी का भाव स्पष्ट था कि पौराणिक जाति-पाती के कारण कितने भाई-बहिन प्रतिदिन विधर्मी बनते हैं, विधवाएँ तो विशेष रूप से।

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु
साभार :
तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

श्रावणी/वेद प्रचार पर्व

आर्य समाज पंखा रोड, सी-3 ब्लॉक जनकपुरी, नई दिल्ली के तत्त्वावधान में श्रावणी/वेद प्रचार पर्व 26 अगस्त से 3 सितम्बर तक आयोजित होगा। स्वामी वेदानन्द सरस्वती (उत्तरकाशी) के प्रवचन एवं श्री संदीप आर्य के भजन होंगे। इस अवसर पर प्रभात फेरी, ध्वजारोहण/श्रावणी पर्व/रक्षाबन्धन एवं हैदराबाद सत्याग्रह, बाल/बालिका/आर्यवीर/आर्य वीरांगना सम्मेलन व आर्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

-शिव कुमार मदान, प्रधान

गायत्री महायज्ञ

आर्य समाज सुन्दर विहार में 26 अगस्त से 3 सितम्बर तक गायत्री महायज्ञ डॉ. लक्ष्मण कुमार शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में होगा। भजन श्रीमती उषा वर्मा के होंगे। *-अमरनाथ बत्रा, मन्त्री*

हरियाली तीज का आयोजन

दिल्ली प्रान्तीय आर्य महिला सभा के तत्वावधान में आर्यसमाज विकासपुरी बाहरी रिंग रोड में हरियाली तीज का आयोजन दिनांक 13 अगस्त, 2018 को दोपहर 12:30 बजे से किया जा रहा है। यज्ञ ब्रह्मा श्रीमती सुनीता पासी होंगी तथा मार्गदर्शन श्रीमती प्रकाश कथूरिया जी करेंगी। इस अवसर पर ध्वजारोहण श्रीती उषा कुकरेजा जी द्वारा किया जाएगा।

-श्रीमती रचना आहूजा, महामन्त्री

निर्वाचन समाचार

जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा, धौलपुर
प्रधान - डॉ. लाजपति शर्मा
मंत्री - श्री रघुवीरमुनि
कोषाध्यक्ष - श्री रामुनि (मनियां)
(म) प्रधाना - श्रीमती कमलेश गर्ग
(म) मंत्राणी - श्रीमती शारदा आर्य
(म) कोषाध्यक्ष - श्रीमती अनीता गुप्ता

गुरुकुल हरिपुर में श्रावणी

गुरुकुल हरिपुर, जुनानी (ओड़िशा) के तत्त्वावधान में दिनांक 26 अगस्त 2018 को श्रावणी पर्व का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के अन्तर्गत नवम् चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारम्भ, नव प्रविष्ट ब्रह्मचारियों का उपनयन एवं वेदारम्भ संस्कार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गुरुकुल के सम्माननीय आचार्यगणों एवं ब्रह्मचारियों द्वारा विभिन्न स्थानों में वेद प्रचार कार्यक्रम होंगे। *- श्री जयदेव आर्य, प्रधान*

जन्म दिवस पर भजन संध्या

आर्य समाज लाजपत नगर की कर्मठ विदुषी, समाज सेविका श्रीमती पुष्पा शास्त्री के 69वें जन्म दिवस पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री सुरेन्द्र तलवार व अजय कपूर ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित जनसमूह को मन्त्रमुग्ध कर दिया। संयोजक श्री सुरेन्द्र शास्त्री ने सबका धन्यवाद किया। *-चन्द्र मोहन आर्य, पत्रकार*

आर्यसमाज साकेत में श्रावणी

आर्यसमाज साकेत के तत्वावधान में दिनांक 13 से 19 अगस्त तक श्रावणी पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर भिन्न-भिन्न विद्वानों के प्रवचन होंगे। समापन 19 अगस्त को आर्यसमाज में होगा। इस अवसर पर भजन श्री धीरज कांत एवं प्रवचन आचार्य वीरेन्द्र विक्रम के होंगे। *- धर्मवीर पंवार, मन्त्री*

आर्यसमाज राजनगर में श्रावणी

आर्यसमाज राजनगर-2, पालम कालोनी नई दिल्ली में श्रावणी पर्व 11-12 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आचार्य भद्रकाम वर्णी जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ-भजन प्रवचन होंगे। समापन 12 अगस्त को होगा।

- हंसराज आर्य, मन्त्री

महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार प्रकल्प के अन्तर्गत

देश-विदेश में वैदिक धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु

प्रचारकों की आवश्यकता

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की ओर से देश-विदेश में आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार की शृंखला आरम्भ की जा रही है, जिसके लिए सुयोग्य उम्मीदवारों के आवेदन आमन्त्रित हैं। कुल पद : **भारत हेतु 20** तथा **विदेशों हेतु 5**। इच्छुक अभ्यर्थी के लिए वांछित योग्यताएं निम्न प्रकार हैं -

1. आर्य वीर दल का प्रशिक्षण प्राप्त हो। 2. गुरुकुलीय आर्ष पाठ विधि के साथ-साथ आधुनिक विषयों की भी शिक्षा प्राप्त की हो। 3 यज्ञ, भजन, प्रवचन के साथ-साथ सभी वैदिक संस्कार सम्पन्न कराने में निपुण हो। 4. आर्यसमाज के प्रचार की हार्दिक इच्छा रखता हो। 5. युवा जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो।

चयनित अभ्यर्थी की प्रथम नियुक्ति भारत के किसी भी राज्य में तथा विशिष्ट अंग्रेजी भाषा ज्ञान और कार्य के अनुभव के उपरान्त भारत से बाहर किसी भी देश में की जाएगी। पूर्ण योग्यता होने की दृष्टि में सीधे विदेशों में नियुक्ति की जा सकती है। सम्मानित मानदेय के साथ-साथ वाहन व्यय, मोबाईल व्यय, स्वास्थ्य बीमा, आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् का लक्ष्य साधने की दृढ़ इच्छा रखने वाले युवा महानुभाव अपना विस्तृत आवेदन पत्र- विश्व में आर्यसमाज के प्रचार की आवश्यकता और उनकी महान इच्छा, पारिवारिक स्थिति एवं परिचय, भाषा ज्ञान, कम्प्यूटर ज्ञान, शैक्षिक योग्यता, पासपोर्ट नं., मोबाईल एवं ईमेल के साथ तत्काल रूप से **'संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति'** के नाम - **'15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें अथवा **aryasabha@yahoo.com** पर ईमेल करें।

- संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति

आर्यसमाज हिम्मतपुर काकामई (एटा)में यज्ञशाला का शिलान्यास सम्पन्न

आर्य समाज हिम्मतपुर काकामई में दानवीर भामाशाह महाशय धर्मपाल जी के सहयोग से बनने वाली भव्य यज्ञशाला का शिलान्यास आर्य पुरोहित सभा, दिल्ली के अध्यक्ष आचार्य प्रेमपाल शास्त्री एवं आर्य समाज मॉडल बस्ती, दिल्ली के धर्माचार्य श्री जयप्रकाश शास्त्री जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व ग्राम प्रधान रामचंद्र सिंह, ज्ञानवीर पुरुषार्थी, ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार, धर्मेंद्र यादव, विवेक आर्य, वसुमित्र आर्य, मनवीर सिंह आचार्य देवराज शास्त्री, कवि रामोतार योगी, दिनेश शास्त्री, मधाव्रत शास्त्री, वीर प्रकाश यादव, गौरी शंकर शर्मा सहित सैकड़ों आर्य जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर आचार्य प्रमोद शास्त्री एवं कन्या गुरुकुल चोटीपुरा की छात्रा वेदऋचा आर्या के सुमधुर भजन भी हुए।

- सेवतीलाल आर्य, प्रधान

शोक समाचार

श्री अमरनाथ गोगिया नहीं रहे

आर्य समाज मॉडल बस्ती शीदीपुरा के प्रधान श्री अमरनाथ गोगिया जी का दिनांक 31 जलाई 2018 को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अन्तिम संस्कार 1 अगस्त को पंचकुइया शमशान घाट पर आर्यसमाज के धर्माचार्य श्री जयप्रकाश शास्त्री जी द्वारा पूर्ण वैदिक रीति के साथ कराया गया। दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी, श्री कीर्ति शर्मा जी, श्री आदर्श कुमार जी एवं श्री आलोक शर्मा ने पहुंचकर विदाई दी। उनकी स्मृति में शांति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा आर्य समाज अनारकली में 3 अगस्त 2018 को सम्पन्न हुई जिसमें दिल्ली के विभिन्न आर्य समाजों के पदाधिकारियों एवं समाज सेवियों ने अपने-अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

श्री रजनीश वर्मा को पितृशोक

आर्यसमाज डी ब्लाक जनकपुरी के वरिष्ठ अधिकारी, आर. डब्ल्यू.ए. डी-1 ब्लाक जनकपुरी के महामन्त्री एवं आर्यसमाज मायापुरी के संयोजक श्री रजनीश वर्मा जी के पूज्य पिता प्रो. एच.के. दास जी का 2 अगस्त, 2018 को लगभग 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा रविवार 12 अगस्त, 2018 को सनातन धर्म मन्दिर, सी-2 ब्लाक जनकपुरी में सम्पन्न होगी।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018
25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली

मुख्य पंजीकरण फार्म

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
पिता/पति का नाम .....
मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....
फोन (नि.) .....(कार्या.).....
ई-मेल .....
पूरा पता .....
.....
राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐
शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....
व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐
यदि सेवारत हैं तो पद .....
संस्था का नाम-पता.....
.....
सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....
क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

रेल भाडे में 50% छूट : अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभावों को भारत सरकार की ओर से रेल भाड़े में 50% की छूट प्रदान की गई है। छूट का लाभ लेने वाले महानुभाव अपनी आर्यसमाज/संस्था के लैटर हैड पर पधारने वाले सदस्यों की सूची नाम-पता-आयु-मो. नं. के साथ बनाकर भेजें। सम्मेलन कार्यालय की ओर से तत्काल रेल भाड़ा छूट फार्म कोरियर/स्पीडपोस्ट द्वारा भिजवा दिए जाएंगे। रेलवे भाड़ा छूट प्राप्त करने हेतु निर्देश -

1. एक व्यक्ति के लिए एक फार्म भरा जाएगा। टिकट आने-जाने की एक साथ होगी।
2. दिल्ली से 300 किमी से अधिक की दूरी वाले महानुभावों को ही इस छूट का लाभ प्राप्त हो सकेगा।
3. जिन महानुभावों - वरिष्ठ नागरिकों/ स्वतन्त्रता सेनानियों/दिव्यांगों को पहले से ही रेलवे द्वारा छूट दी जा रही है उन्हें इस छूट का लाभ नहीं हो सकेगा।
4. छूट केवल दूसरे दर्जे/श्यनयान दर्जे के लिए ही प्राप्त की जा सकेगी।

अधिक जानकारी के लिए **श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता जी को 9211333188** पर व्हाट्एप्प करें aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करें अथवा महासम्मेलन कार्यालय को लिखें अथवा।- ***संयोजक***

वेद प्रचार समारोह का आयोजन

आर्य समाज हनुमान रोड का वेद प्रचार समारोह 30 अगस्त से 3 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर वेद प्रवचन डॉ. महावीर जी तथा भजन श्री राजबीर शास्त्री जी के होंगे। शनिवार 1 सितम्बर, 2018 को योगासन प्रतियोगिता, 2 सितम्बर को हैदराबाद सत्याग्रह बलिदान दिवस समारोह तथा 3 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसका विषय 'आर्यसमाज की दृष्टि में योगीराज श्रीकृष्ण' होगा। प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को प्रथम पुरस्कार 2100/-, द्वितीय पुरस्कार 1500/- तथा तृती पुरस्कार 1100/- रुपये तथा अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। - ***विजय दीक्षित, मन्त्री***

साप्ताहिक आर्य सन्देश में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक मंडल अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का सैद्धान्तिक मतैक्य होना आवश्यक नहीं है। - सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 6 अगस्त, 2018 से रविवार 12 अगस्त, 2018

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 9-10 अगस्त, 2018

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 8 अगस्त, 2018

आर्य वीर दल राजस्थान की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

500 से अधिक आर्य वीर लेंगे महासम्मेलन में भाग

दिनांक 29 जुलाई 18 को ऋषि उद्यान अजमेर के सरस्वती भवन में आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली की तैयारियों के चलते आर्य वीर दल राजस्थान की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई जिसमें आर्य वीर दल राजस्थान के अधिकारी संभाग संचालक, जिला संचालक, व्यायाम शिक्षक एवं कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया जिसमें विशेष कर आगामी 25 से 28 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारियों का शुभारंभ किया गया। इस महासम्मेलन में आर्य वीर दल राजस्थान की ओर से 500 से अधिक आर्य वीर भाग लेंगे। इसके लिए आर्य वीर दल के शिक्षकों एवं कार्यकर्त्ताओं ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है आगामी शीतकालीन शिविर डूंगरगढ़ बीकानेर में लगाया जाएगा जिसमें शाखा नायक स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ राजस्थान में सम्मेलन की तैयारियां प्रारम्भ हो गई हैं। आगामी दिवसों में सम्मेलन की सज्जा के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्य वीर दल के माध्यम से विभिन्न संभागों में बैठकें की जाएंगी जिसमें महासम्मेलन आयोजन समिति के अधिकारी भी भाग लेंगे।

प्रतिष्ठा में,

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं -

(श्वेत श्याम विज्ञापन)

1. चौथाई पृष्ठ	5000/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-
(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
5. आधा पृष्ठ	12500/-
5. पूरा पृष्ठ	21000/-

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन: प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर **'स्मारिका सम्पादक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018', 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली** -110001' के पते पर या ईमेल aryasabha@ yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें।

- अजय सहगल
सम्पादक, महासम्मेलन स्मारिका

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018

नवीनतम सूचनाओं व जानकारियों हेतु जुड़ें व्हाट्सएप्प पर और साझा करें विचार

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह